महापौर ने नल का पानी पीकर गुणवत्ता जांची

इंदौर. महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा शुक्रवार को भागीरथपुरा क्षेत्र में जलप्रदाय की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन और भ्रमण किया गया. इस दौरान महापौर श्री भार्गव स्वयं भागीरथपुरा क्षेत्र में पहुँचे एवं नर्मदा जलप्रदाय के अंतर्गत नल से ग्लास में पानी भरकर स्वयं पीकर उसकी गुणवत्ता की जांच की.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि नगर निगम, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भागीरथपुरा क्षेत्र में विगत दिनों से लगातार राहत एवं सुधारात्मक कार्य किए जा रहे हैं, जिनमें क्षेत्र के नागरिकों का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ है. पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में जलप्रदाय कर निरंतर जल के सैम्पल लिए गए तथा सभी आवश्यक जांच एवं निर्धारित मापदंडों (पैरामीटर्स) के अनुरूप पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई.

महापौर ने जानकारी दी कि सभी जांचों में जल सुरक्षित पाए जाने के पश्चात आज भागीरथपुरा क्षेत्र के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से में, जिसमें लगभग 15 हजार की आबादी निवासरत है, नर्मदा जलप्रदाय को पुन: प्रारम्भ किया गया है. इस दौरान महापौर ने स्वयं नल से नर्मदा जल लेकर पीकर उसकी शुद्धता को देखा.

गाइड लाइन का पूर्ण पालन करें

महापौर श्री भार्गव ने भागीरथपुरा क्षेत्र के नागरिकों से अपील की कि जलप्रदाय प्रारम्भ होने के पश्चात भी एहतियात के तौर पर पानी को उबालकर ही उपयोग में लें एवं नगर निगम, जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पूर्ण रूप से पालन करें. उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की समस्या या असुविधा उत्पन्न होती है तो नागरिक तत्काल नगर निगम अथवा जिला प्रशासन को सूचित करें, ताकि समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके.

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज इंदौर में

नव भारत न्यूज

इंदौर। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज इंदौर आ रहे है। गांधी इंदौर भागीरथपुरा में जहरीला पानी पीने से मृत परिवारों और अस्पतालो में भर्ती मरीजों से मुलाकात करेंगे।

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज सुबह 9-30 दिल्ली से विशेष विमान से सुबह 11 बजे इंदौर पहुंचेंगे। एयरपोर्ट पर वरिष्ठ नेताओं से मिलकर सीधे बॉम्बे हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों से 12.15 बजे मुलाकात करेंगे। इस दौरान राहुल करीब आधा घंटा हॉस्पिटल में ही पीड़ितों के हालचाल और इलाज की जानकारी लेंगे।

बॉम्बे हॉस्पिटल से राहुल गांधी करीब 12.45 बजे सीधे भागीरथपुरा पहुंचकर दिवंगत परिवारों से मिलकर शौक संवेदना व्यक्त करेगें। भागीरथपुरा में राहुल करीब एक घंटा बिताएंगे। इस दौरान राहुल घटना के जानकारी और वर्तमान स्थिति का जायजा लेंगे।

भागीरथपुरा से राहुल गांधी वापस एयरपोर्ट रवाना हो जाएंगे। विशेष विमान से वापस 2.30 बजे दिल्ली लौट जायेंगे

भागीरथपुरा की ओपीडी में 88 में से सिर्फ 3 मरीज डायरिया के मिले

नव भारत न्यूज

इंदौर. दूषित पानी से फैले डायरिया के मामले को लेकर भागीरथपुरा क्षेत्र में स्थिति अब तेजी से सामान्य होती जा रही है. शुक्रवार को ओपीडी में पहुंचे 88 मरीजों में से सिर्फ 3 मरीजों में डायरिया की पुष्टि हुई है. तीनों को प्राथमिक उपचार दिया और किसी भी मरीज को रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ी. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक हालात फिलहाल नियंत्रण में हैं.

सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसानी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्र में चलाए जा रहे सर्वे और उपचार अभियान के तहत अब तक 35 हजार 421 घरों का सर्वे किया जा चुका है, जबकि 1 लाख 64 हजार 942 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है. एहतियातन 63 हजार 81 ओआरएस पैकेट और 2 लाख 66 हजार 400 जिंक टेबलेट्स का वितरण किया है. मरीजों के उपचार में निजी और शासकीय मिलाकर 45 अस्पतालों को जोड़ा है. अब तक कुल 444 मरीज अस्पतालों में भर्ती किए थे, जिनमें से 428 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं. वर्तमान में अस्पतालों के वार्ड में 11 मरीज भर्ती हैं, जबकि आईसीयू में 5 मरीजों का उपचार जारी है. मरीजों के परिवहन के लिए आवश्यकता अनुसार दो एंबुलेंस तैनात की गई हैं. डॉक्टर हसानी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में 200 से अधिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता लगातार सेवाएं दे रहे हैं. इसके साथ ही 10 जनवरी 2026 से 'अभियान स्वास्थ्यवर्धन' भी चलाया जा रहा है, जिसके तहत गैर संचारी रोगों की जांच भी की जा रही है. शुक्रवार को अभियान के अंतर्गत 23 दलों ने 1312 घरों में लार्वा सर्वे कर आवश्यक परामर्श दिया. वहीं कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर क्षेत्र में 24 घंटे चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई है. गंभीर मरीजों को एमवाय अस्पताल, अरविंदो अस्पताल और बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल रेफर किया जा रहा है. निजी अस्पतालों में जाने वाले मरीजों को भी निःशुल्क उपचार, जांच और दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं.

दिग्विजय ने भागीरथपुरा कांड में न्यायिक जांच की मांग की

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा कांड में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने न्यायिक जांच के मांग की है. उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के सबके चहेते ठेकेदार होने से क्षेत्र में पाइप लाइन नहीं डाली जा सकी है. मुख्यमंत्री से जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने की हिम्मत दिखाने का कहा है.

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय आज भागीरथपुरा में दूषित पानी को लेकर हमलावर तेवर में नजर आए। उन्होंने कहा कि इंदौर में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी की नहीं सुनना है. आप अपने हिसाब से काम करो. दूसरा भाजपा नेताओं का अधिकारी नहीं सुन रहे. क्यों नहीं सुन रहे? मुख्यमंत्री ने मना किया, इसलिए नहीं सुन रहे हैं. तीसरा भाजपा नेताओं के सबके अलग चहेते ठेकेदार है और इस कारण से भागीरथपुरा में टेंडर होने के बाद पाइप लाइन नहीं डाली गई. दिग्विजयसिंह ने कहा कि दूषित पानी से 23 लोगों की मौत हुई है. हमारी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से मांग है कि न्यायधीश की अध्यक्षता में भागीरथपुरा घटना की जांच करवाए, जिसमें जनता की सुनवाई करते हुए जिम्मेदारों पर कारवाई हो. जांच में पार्षद, महापौर परिषद और महापौर जिम्मेदार है तो उनका इस्तीफा होना चाहिए. अधिकारी दोषी है तो उनको दंडित किया जाना चाहिए. मेरा मुख्यमंत्री से कहना है कि वे न्यायिक जांच करने की हिम्मत दिखाएं.

उच्च दाब उपभोक्ताओं पर पावर क्वालिटी मीटर की अनिवार्यता का विरोध

- उच्चदाब उद्योगों का फूटा रोष, दोनों विदेशी कंपनियों का भी हुआ विरोध

इंदौर. मध्यप्रदेश प. क्षेत्र. विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा आज उच्चदाब उपभोक्ताओं के लिए नियामक आयोग ने अनिवार्य किये गये पावर क्वालिटी मीटर संबंधित उद्योगों की जिज्ञासाओं एवं तकनीकी पहलूओं एवं जागरूकता पर चर्चा के लिए बैठक आयोजित की गई. इसमें उद्योगपतियों ने एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश के बैनर तले इस मीटर की अनिवार्यता एवं मीटर की किमत व कई अन्य तकनीकी बातों को लेकर अपना पक्ष रखते हुए इस मीटर को लागू करने का भारी विरोध किया.

एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश मेहता ने अधिकारियों से कहा कि इस मीटर की 5 लाख रू. से अधिक की कीमत एवं अन्य जुड़े खर्च इतने अधिक है कि छोटे उद्योग इस वित्तीय भार को वहन नहीं कर सकते है. दूसरा मीटर का खरीद खर्च, स्थापना व रखरखाव की व्यवस्थाएं भी उद्योगों के लिए भारी आर्थिक बोझ डालने वाला होगा. मेहता ने यह आपत्ति भी दर्ज की कि आयोग ने जिन दो कंपनीयों को मीटर के लिए अधिकृत किया है वे दोनों विदेशी कंपनियां है जो आत्मनिर्भर भारत व प्रधानमंत्री के स्वदेशी को बढ़ावा देने की मंशा के सख्त खिलाफ है. एसोसिएशन ने अधिकारियों से कहा कि मीटर लगवाने के पूर्व कंपनी औद्योगिक क्षेत्रों में आवश्यक सुधार कार्य करें, लाइन लॉस को नियंत्रित करें, बार बार आ रही ट्रिपिंग से निजात दिलावे और उद्योगों की वर्तमान समस्याओं का समाधान करें. बैठक में 250 से अधिक उपस्थित उद्योगपतियों ने भी अपनी बाते अधिकारियों के समक्ष रखते हुए पावर क्वालिटी मीटर पर अपना विरोध दर्ज किया. बैठक में डिस्कॉम के अधिकारियों, उद्योगपतियों सहित एसोसिएशन के पदाधिकारिगण अन्य एसोसिएशन के सदस्यगणों सहित हरीश नागर, प्रमोद जैन, राजेश मुंदडा, शरद डोसी, श्री गौतम कोठारी, दिनेश मिश्रा, अशोक पाटणकर, धनंजय चिंचालकर, अनिल बीरानी आदि अन्य उपस्थित हुए.

ज्ञापन भी दिया

एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश मेहता एवं सचिव तरूण व्यास ने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों के समक्ष पावर क्वालिटी मीटर के संबंध में यह भी बात रखी की इससे डेटा गोपनियता, सुरक्षा, रखरखाव व विश्वसनियता का भी संदेह रहेगा. अत: ऐसे मीटर लगाने की बाध्यता 2500 केव्हीए के उपर के उपभोक्ताओं के लिए लागू की जाए. रोलिंग मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश मित्तल ने पंजाब विद्युत कंपनी का सर्कुलर प्रस्तुत किया. एसोसिएशन ने कहा कि जब तक पूर्ण स्पष्टता नही होगी कोई भी उच्चदाब उपभोक्ता मीटर नहीं लगायेगा. एसोसिएशन ने विद्युत कंपनी के अधिकारियों को विरोध स्वरूप एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें इस नियम पर पुन: विचार करने व जब तक दो के अलावा अन्य कोई मीटर बनाने वाली कंपनी बाजार में नहीं आती तब तक इसे स्थगित करने की मांग की गई.

सिंहस्थ 2028 के लिए कैलोदहाला रेलवे ओव्हर ब्रिज नींव का पत्थर साबित होगा : सिलावट

इंदौर. जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज कैलोदहाला में 32 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले कैलोदहाला-लसुडियामोरी रेलवे ओव्हर ब्रिज कार्य का शुभारंभ किया. इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी भी विशेष रूप से मौजूद थे.

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि वर्ष 2019 में सांवेरवासियों से मिले आशीर्वाद के बाद से जनवरी 2019 से आज वर्ष 2026 तक इन 7 वर्षों में सांवेर विधानसभा में लगभग 974 करोड रूपये लागत की 906 किलोमीटर की 185 सडकों की स्वीकृति करायी गई है. इसमें लगभग 32 करोड रूपये की लागत से बनने वाला लसुडियामोरी-कैलोदहाला रेलवे ओव्हर ब्रिज भी शामिल है. मंत्री सिलावट ने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण होने पर आसपास की 40 कालोनियों और 10 गांवों के एक लाख लोगों को लाभ होगा। यह ब्रिज 800 मीटर लम्बा और 15 मीटर चौडा होगा, इसका निर्माण एक वर्ष के भीतर किया जायेगा, ताकि इसका लाभ आगामी सिंहस्थ 2028 में क्षेत्रीय लोगों को मिल सके। इस ब्रिज के बन जाने से 10 गांवों, कैलोदहाला, शक्करखेडी, ढाबली, मांगलिया, रामपिपलिया, गारीपिपलिया, भांग्या, जाख्या, जस्सा कराडिया, भानगढ, भवरासला के एक लाख से ज्यादा लोगों को लाभ होगा और सिहंस्थ 2028 के मान से यह रेलवे ओव्हर ब्रिज नींव का पत्थर साबित होगा. इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि यह रेलवे ब्रिज के निर्माण के बाद सिंहस्थ 2028 को देखते हुए मांगलिया रेलवे स्टेशन, बरलाई जागीर, पालिया, अजनोद, चन्द्रावतीगंज रेलवे स्टेशनों का उन्नयन होगा, जिसका लाभ सभी को मिलेगा. इस अवसर पर श्रवणसिंह चावडा, पार्षद सुरेश कुलवाडे, राकेश सोलंकी, पप्पु शर्मा, विपीन जागीरदार, विष्णु चौधरी, यशवंत शर्मा, कैलाश चौहान, विक्रमसिंह, जिला पंचायत सदस्य रामेश्वर चौहान, सरपंच जितेन्द्र डोडिया, विक्की यादव, बब्लू यादव सहित सैकडों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

शिक्षा-ज्ञान-संस्कृति के महायज्ञ का साक्षी बनेगा मध्यप्रदेश

- मध्यप्रदेश ज्ञान सभा वि.स.-2082 के लिए पंजीयन प्रारंभ

इंदौर. इंदौर में शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण के व्यापक विमर्श को समर्पित मध्यप्रदेश ज्ञान सभा वि.स.-2082 का आयोजन 28-29 जनवरी को किया जा रहा है. यह आयोजन श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा.

इस विषय में जानकारी देते हुए डॉ. ए.के. द्विवेदी (कार्यपरिषद सदस्य, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर एवं प्रांत संयोजक—शिक्षा स्वास्थ्य न्यास, मालवा प्रांत) ने कहा कि इंदौर आज केवल एक शहर नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कारों के केंद्र के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है. यहाँ का शैक्षणिक वातावरण विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज को एक दिशा देता है. शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, कौशल विकास और राष्ट्रनिर्माण की मजबूत नींव है. डॉ. द्विवेदी ने बताया कि ज्ञान सभा का प्रमुख विषय रहेगा- राष्ट्रीय शिक्षा नीति- क्रियान्वयन, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ.

जहाँ विद्यालयीन शिक्षा, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, मूल्य-आधारित शिक्षा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे महत्वपूर्ण आयामों पर चिंतन-मंथन होगा. इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मनमोहन वैद्य (अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी. आयोजकों ने सभी शिक्षकों, प्राचार्यों, प्रबंधकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षा-प्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विकसित भारत 2047 के संकल्प को सशक्त बनाएं.

एक नजर में | द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स इंदौर लोकल द्वारा कार्यक्रम आयोजित

नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें, इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग करें

इंदौर. कार्बन एक रसायनिक तत्व है, जो वायुमंडल में जुड़कर कार्बन डाइ ऑक्साइड बनाता है. यह जलवायु परिवर्तन का एवक कारण भी है. यदि डीकार्बानाइजेशन जारी रहेगा तो जलवायु परिवर्तन को बहुत हद तक रोका जा सकता है. वर्तमान में कार्बन उत्सर्जन को कम करना या उसे पूरी तरह खत्म करना जरूरी है. इसके लिए कुछ ठोस उपाय करें जैसे नवकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा दे, इलेक्ट्रिक वाहनो का अधिक उपयोग करे, बड़ी संख्या में पौधारोपण किया जाए तथा ऊर्जा दक्षता में सुधार लाये.

ये विचार विभिन्न इंजिनियरों के है, जो उन्होंने ऊर्जा बचत विषय पर कहे. आयोजन द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियर्स इंदौर लोकल द्वारा एक निजी होटल में किया गया था. आईआईटी, इंदौर के एनर्जी आडिटर अनीश राजेंद्रन ने कहा कि इंदौर की इंडस्ट्री एनर्जी एसेसमेंट सेल की टीम द्वारा अब तक लगभग 31 मिलियन यूनिटस इलेक्ट्रिसिटी और 1500 मैट्रिक टन फ्यूल की कुल ऊर्जा बचत प्रस्तावित की गई है, जिससे कार्बन ऐम्मीसिंस रिडक्न में उल्लेखनीय योगदान मिलेगा.

इस पहल से 50 से अधिक ओधोगिक क्षेत्र लाभांवित होंगे. इंजी. मनीष डबकारा ने कहा कि पृथ्वी तेजी से गर्म हो रही है. उसका तापमान काफी बढ़ चुका है. इसका अर्थ है कि हम पेरिस सम्मेलन का पालन नहीं कर रहे है. अब हमे नेट जीरो की ओर जाना होगा. इसका मतलब वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसो का उत्सर्जन कम करना. यह जानकारी प्रवीण जोशी ने दी. अतिथि स्वागत अध्यक्ष, सुनील सोमानी, दिनेश शुक्ला, गिरीश सोनी ने किया. प्रतिक चिन्ह वसंत अग्रवाल, रक्षा परोलकर, विनीत सिंह और गुंजन यादव ने प्रदान किये. संचालन डॉ. नेहा गुप्ता ने किया. आभार माना सचिव डॉ. सुनील अहिरवार ने.

ऊर्जा संरक्षण मानवीय व्यवहार का विषय

कार्यक्रम के कंवेनर इंजी. आरपी गौतम ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएनओ में पंचामृत का मंत्र दिया था, जिसमें 2030 तक नान फासिल ऊर्जा को कम करना, 1 अरब टन कार्बन उत्सर्जन कम करना, ऊर्जा की 50 प्रतिशत आवश्यकता नवकरणीय ऊर्जा से पूरी करना, कार्बन इंटेनसिटी को कम करना और 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करना. उक्त बिंदुओं से जलवायु परिवर्तन से निपटने मे सहायता मिलेगी. संस्था अध्यक्ष डॉ. सुनील सोमानी ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण तकनीक का नहीं मानवीय व्यवहार और संस्कार का विषय है. अधिकांश देशों में ऊर्जा की खपत अधिक हो रही है. अगर हम अब भी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बड़ी कीमत चुकाना होगी.

एक नजर में

चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव इंदौर में

इंदौर. चिन्मय मिशन की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर मिशन के संस्थापक गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद के प्रति श्रद्धा-भावना, कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए विश्वभर में अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है. मिशन की प्रवंक्ता श्रीमती आशा रानी गर्ग ने बताया कि गुरुदेव सेनानी, कुशल पत्रकार और विश्व हिन्दू परिषद के संस्थापक के साथ उन्होंने जन-मन में वेद, उपनिषद् और गीता के प्रति अलख जगाकर इन ग्रंथों को जन-जन के लिए सहज कर दिया. गुरुदेव के अभूतपूर्व कार्यों की झाँकी को जन-जन में और युवाओं में प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से अमृत यात्रा को 31 दिसंबर को चिन्मय विभूति पूना से रवाना होकर पूरे भारत के विभिन्न राज्यों, शहरों और ग्रामों में 35 हजार किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यह यात्रा 20 जनवरी को इंदौर सीमा में प्रवेश करेगी और 20-21 जनवरी को इंदौर विश्वविद्यालय के आईईटी विभाग, होल्कर कॉलेज, सिक्का कॉलेज, चिन्मय शरणम् आश्रम और आनंदवन सोसायटी स्कीम 140 द्वारा आयोजित स्वागत कार्यक्रमों में हिस्सा लेगी.

ब्रह्मलीन सोनी मैढ़ रत्न अलंकरण से सम्मानित

इंदौर. अ.भा. मैढ़ क्षत्रिय समाज नई दिल्ली के तत्वावधान में श्रीमैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मारवाड़ी समाज इंदौर के समर्पित सेवाभावी ब्रह्मलीन मोहनलाल सोनी को उनकी जीवन पर्यन्त की गई सेवाओं को देखते हुए मैढ़ रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया. स्कीम-71 रिंग रोड स्थित एक गार्डन पर आयोजित समारोह में संगठन के अ.भा. अध्यक्ष जगदीश प्रसाद सोनी दिल्ली एवं विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, प्रदेशाध्यक्ष मुकेश सोनी, प्रो किशन लाल सोनी, ओमप्रकाश वर्मा, अनिल सोनी एवं अन्य अतिथियों की मौजूदगी में स्व. सोनी के ज्येष्ठ पुत्र राजेंद्र सोनी ने यह अलंकरण प्राप्त किया. कार्यक्रम में स्व. सोनी के अलावा स्व. विष्णु प्रसाद वर्मा, नारायण बुद्रन, मनोहरलाल वर्मा कढ़ेल, शंकरलाल वर्मा रोड़ा एवं मनोहरलाल सोनी को भी यह अलंकरण प्रदान किया गया. संगठन की ओर से महामंत्री दुलीचंद मौसूण एवं कोषाध्यक्ष सजन लावट भी मौजूद थे. प्रारंभ में भगवान जगदीश और समाज के पितृ पुरुष श्री अजमीढ़ जी की आरती भी की गई. स्व. सोनी की सेवाओं का उल्लेख करते हुए जब सम्मानपत्र उनके पुत्र राजेंद्र सोनी ने ग्रहण किया तो समूचा पंडाल करतल ध्वनि से गूंज उठा.

लैब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी स्टोर का उद्घाटन

इंदौर. नेना लैब ग्रोन डायमंड्स ने इंदौर में अपना नए एक्सक्लूसिव स्टोर का उद्घाटन किया. इस उद्घाटन समारोह में शहर के गणमान्य नागरिकों, ज्वेलरी इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञों, बिज़नेस कम्युनिटी के सदस्य और ब्रांड प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी रही. यह स्टोर तुकोगंज स्थित स्टारलिट टॉवर में शुरू किया गया है, जहाँ ग्राहकों को प्रीमियम और आधुनिक ज्वेलरी का नया अनुभव मिलेगा. नेना के इस नए स्टोर में लैब ग्रोन डायमंड्स से बनी प्रीमियम, एलिगेंट और ट्रेंड-फोकस्ड ज्वेलरी का विशेष कलेक्शन पेश किया गया है. ब्रांड का मुख्य फोकस क्वालिटी, ट्रांसपेरेंसी और सस्टेनेबिलिटी पर है. नेना के डायरेक्टर्स गौतम काकड़िया, भार्गव नासित और अक्षित लक्कड़ ने कहा कि इंदौर एक प्रगतिशील और तेजी से विकसित होते शहर में ज्वेलरी के प्रति लोगों की सोच बदल रही है. ग्राहक अब पारंपरिक डायमंड्स के साथ-साथ ऐसे विकल्पों को भी प्राथमिकता दे रहे हैं, जो सस्टेनेबल, इनोवेटिव और वैल्यू फॉर मनी हों. नेना का उद्देश्य ग्राहकों को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की डायमंड ज्वेलरी पूरी पारदर्शिता और भरोसे के साथ उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पसंद की ज्वेलरी चुन सकें.

सकारात्मक सोच का माध्यम योग

इंदौर. श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं रेडरिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं लगभग 100 के लगभग विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सूर्य नमस्कार कर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक वाक्य को उद्धृत करते हुए कहा- उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए. आज के युवाओं के लिए योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मबल, अनुशासन और सकारात्मक सोच का माध्यम है. सूर्य नमस्कार के नियमित अभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी सुदृढ़ होती है. युवाओं को आत्मविश्वास और संकल्प की शक्ति प्रदान करता है. इस अवसर पर प्रो. विभोर ऐरन ने सूर्य नमस्कार के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसे दैनिक दिनचर्या में अपनाने के लिए प्रेरित किया. संचालन एवं समन्वय डॉ. जी. एस. भाटिया, डॉ अनिल शर्मा द्वारा किया गया तथा डॉ. प्रणव क्षत्रिय ने आभार व्यक्त किया.

शहर के 50 कर्मवीर बागवानों का सम्मान

इंदौर. मालवा रोज सोसायटी द्वारा बागवानों के लिए आयोजित प्रशिक्षण एवं सम्मान कार्यक्रम में शहर के चुनिन्दा मालियों का सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए. इस अवसर पर सोसाइटी की मेजबानी में 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को गाँधी हॉल में आयोजित होने वाले गुलाब मेले एवं मौसमी पुष्प प्रदर्शनी की तैयारियों का विवरण भी दिया गया. डॉ. डीके तनेजा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. डीके मिश्रा एवं सोसाइटी के सचिव डॉ. अरुण सराफ ने इस अवसर पर तकनीकी सत्र में पौधों की देखभाल, सिंचाई, मिट्टी और गमलों से लेकर कीट प्रबन्धन जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारियां दी. नेहरू प्रतिमा के सामने स्थित एमजीएम अलाइडहेल्थ साइंसेज इंस्टिट्यूट पर आयोजित इस कार्यशाला में शहर के उद्यानों में कार्यरत 50 बागवानों को कर्मवीर सम्मान एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए. डॉ. सराफ ने इस मौके पर कहा कि गुलाब में लगने वाले कीड़ों विशेषकर एफिड्स प्लेटीबेंड मिनिएचर एवं पोलिएंथ किस्म के गुलाबों की किस्में अपने इस क्षेत्र में ज्यादा पाई जाती हैं इसलिए इन्हें ध्यान रखना होगा कि हम इन किस्म के गुलाबों का रखरखाव कैसे करें. तकनीकी सत्र में सुनील खंडेलवाल, मयंक मिश्रा, सपना गुप्ता, पुष्पा जैन, जगदीश-सुनीता बाहेती सहित बड़ी संख्या में शहर के गुलाबप्रेमी उपस्थित थे.